Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. college Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part - II (H)
Paper - III
Date :- 24-9-20
DO - Next - class

Models of Psychology

Psychopathologies of Everyday Life

(2) नामों को भूलना (Foregetting of names) :-

→ प्रायः ऐसा होता है कि हम अपने दैनिक जीवन में परिचित व्यक्तियों, वस्तुओं तथा स्थानों के नामों को स्थायी तथा अस्थायी तौर पर भूल जाते हैं। कई बार तो कोशिश करने के बावजूद भी उनके नाम याद नहीं आते हैं परन्तु बाद में अपने आप फिर याद आ जाते हैं। यह अस्थायी भूलना का कारण अर्द्धचेतन (Subconscious) होता है। परन्तु स्थायी रूप से भूलना या लंबे समय तक याद नहीं आने के कारण अचेतन (unconscious) ही होता है। नामों को भूलने के समान ही हम अन्य बातों को भी भूलते रहते हैं। जैसे किसी से किए गए वायदों को भूल जाना, पत्र को डाकखाने के पत्र पेटी में डालना भूलना, किसी से ली गई वस्तु को लौटाना भूलना आदि भी हमारे दैनिक जीवन में प्रायः होते रहते हैं। फ्रायड ने कहा है कि ये सभी प्रकार का भूलना निरर्थक एवं संयोगवश नहीं होते बल्कि वे सार्थक होते हैं या उनका कारण चेतन या अर्द्धचेतन में होता है। फ्रायड ने कई उदाहरण देकर यह स्पष्ट किया है कि इन सभी तरह के भूलने के पीछे कोई न कोई कारण जरूर होता है। इन तथ्यों से संबंधित अचेतन में कुछ दमित दुखद या अप्रिय अनुभूतियाँ (Experiences) होती है जिनसे उत्पन्न मानसिक संघर्षों (mental conflict) से मुक्ति पाने के लिए हम अचेतन रूप में उसे भूल जाते हैं। फ्रायड ने अपनी पुस्तक

साइकोपैथोलॉजी of everyday life' में उदाहरण पेश किया है।

सारासन (Sarason, 1972) ने अपनी पुस्तक 'एबनॉरमल साइकोलॉजी' में रोचक एवं दिलचस्प उदाहरण दिया है। एक महिला अपनी बेटी का कुछ मानसिक समस्याओं का इलाज कराने के लिए मनोचिकित्सक के पास गयी। मनोचिकित्सक द्वारा बेटी का नाम पूछे जाने पर महिला उसका नाम को बतलाने में असमर्थ रही क्योंकि वह भूल गयी थी। बाद में बातचीत से पता चला की महिला का इस बेटी का जन्म देने में काफी तकलीफ उठानी पड़ी थी। स्पष्ट है कि अचेतन में दमित अप्रिय एवं दुःखद अनुभव द्वारा उत्पन्न मानसिक संघर्षों से मुक्ति पाने हेतु अचेतन रूप से महिला अपनी बेटी का नाम भूल गयी थी। फ्रायड ने इसी तरह के दुःखद घटना के कारण भूलने का एक उदाहरण इस प्रकार दिया है- फ्रैंक (काल्पनिक) जो फ्रांस का रहने वाला था भारत वर्ष आया था। एक दिन वह अपने प्रिय पालतू कुत्ते के साथ खेल रहा था। इस क्रियाविधि में कुत्ता तालाब में गिर गया लेकिन तब भी वह कुत्ता पर केला फेंकने का क्रम जारी रखा। इसका परिणाम हुआ की कुत्ता तालाब में डूबकर मर गया। इस दुःखद घटना का प्रभाव फ्रैंक पर काफी पड़ा जिसका परिणामस्वरूप वह अपने देश का खूबसूरत बाजार का नाम जिसका नाम (PONDS) था भूल गया। फ्रैंक को इस बात का एहसास तब हुआ जब उसके दोस्त उस बाजार से सामान खरीदने की चर्चा की। जबकि फ्रैंक उस बाजार से काफी परिचित था। फिर भी भी उसका नाम उस वक्त नहीं आया तो इस पर उसे काफी आश्चर्य हुआ। यहां POND नामक बाजार को भूलने का स्पष्ट कारण इस तालाब या (POND) में हुई, वह दुःखद घटना थी जिसके परिणामस्वरूप वह शब्द अचेतन में दमित हो गया था।

Next class